भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2384

10 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

विषयः पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा

2384. श्री रमासहायम रघुराम रेड्डीः

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा देने के लिए समर्पित कार्यक्रम शुरू करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार विशेष रूप से तेलंगाना में गिरते भू-जल स्तर से संबंधित चिंताओं का समाधान करने के लिए सतत् पाम ऑयल की खेती हेतु तकनीक विकसित करने के लिए एक नया कार्यक्रम शुरू करने का है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का विचार पाम ऑयल के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए किसी योजना की घोषणा करने का है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री भागीरथ चौधरी)

(क) भारत सरकार पहले से ही अगस्त 2021 से ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 11,040 करोड़ रुपये के कुल स्वीकृत परिव्यय के साथ राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) नामक एक केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यानवित कर रही है।

(ख) एनएमईओ-ओपी का उद्देश्य क्षेत्र विस्तार, उत्पादन इनपुट, बाजार समर्थन और प्रौद्योगिकी अंतरण के माध्यम से देश में ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देना है। यह किसानों को व्यवहार्यता अंतर निधि के माध्यम से मूल्य आश्वासन के साथ-साथ रोपण, अंतरवर्ती फसल, सिंचाई, मशीनीकरण और पुनः रोपण के लिए सहायता प्रदान करता है । यह योजना उत्पादकता और दक्षता बढ़ाने के लिए नई प्रौद्योगिकियों, किसान प्रशिक्षण और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को भी बढ़ावा देती है।

(ग) एवं (घ) : एनएमईओ-ओपी के तहत ऑयल पाम की खेती वनों की कटाई ना करके और मौजूदा कृषि भूमि तक ही सीमित करके सतत खेती को प्राथमिकता देती है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय ऑयल पाम अनुसंधान संस्थान के अनुसार, ऑयल पाम की खेती भूमिगत जल उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती है और केले, गन्ना और चावल जैसी फसलों की तुलना में इसे कम पानी की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, पानी के इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सब्सिडी के माध्यम से तेलंगाना सहित सभी राज्यों में एनएमईओ-ओपी के तहत ड्रिप सिंचाई और जल संचयन संरचनाओं के साथ-साथ ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

(ङ) एवं (च) : ऐसी कोई योजना विचाराधीन नहीं है।

*****